मेहनत की सीढ़ी

मेहनत की सीढ़ी
जितनी लंबी होती है उतनी ही अंदर बाहर से
होती है मजबूत भी

मेहनत की सीढ़ी पर
गर हिमालय भी झूल जाए
झुकने के लिए
मेहनत की सीढ़ी झुकती नहीं
न ही टूटती है कभी

पर
मेहनत की सीढ़ी मेहनतों का
उड़ान का पंख लगा कर
आसमां को छू लेती है एक दिन कभी- न- कभी |

तेज नारायण राय